www.esamaad.com
जसमाद first epaper in maithili इसमाद
पटना, 31 दिसंबर, 2010 ● अंक-60 ● वर्ष-3

बिहार मे बसत सैटेलाइट शहर

समदिया

इ पटना शहर क लेल बनल मास्टर प्लान 2021 क हिस्सा छी। को. शिश अछि जे पटना शहर पर मौजूद जनसंख्या क दबाव कम हुए। एकरा लेल एकर लग पासक इलाका मे बुनियादी सुविधा जेना पेयजल, पक्की सड़क, स्कूल, अस्पताल आ बिजली मुहैया कराउल जाएत। एहि काजक शुरूआत सरकार जल्द करए जा रहल अछि। पहिल चरण मे सरकार मनेर आ फतुहा मे आधारभूत संरचनाक विकास करत आ दोसर चरण मे सोनपुर आ हाजीपुर क संरचना कए ठीक कैल जाएत।

मनेर, फतुहा, सोनपुर आ हाजीपुर

पटना। राज्य सरकार राजधानी क आसपास क इलाका कए विकसित करबाक योजना तैयार क लेलक अछि। संगहि, राज्य सरकार बिल्डर पर सेहो नकेल कसबा लेल अपन तैयारी पूरा केने अछि।

संबंधित अधिकारी क कहब अछि जे सरकार पटना क आसपास क इलाका कए विकसित करबाक एकटा महत्वाकांक्षी योजना तैयार करि चुकल अछि आ जल्द हो जमीन पर उतरत। राज्य सरकार मनेर, फतुहा, सोनपुर आ हाजीपुर कए सैटेलाइट शहर क रूप मे विकसित करत। अधिकारी कहला– इ पटना शहर क लेल बनल मास्टर प्लान 2021 क हिस्सा छी। हमर सबहक कोशिश अछि जे पटना शहर पर मौजूद जनसंख्या क दबाव कम हुए। एकरा लेल हम सब एकर लग पासक इलाका कए विकसित करबा लेल योजना बना लेने छी। एहि इलाका मे बुनियादी सुविधा जेना पेयजल, पक्की सड़क, स्कूल, अस्पताल आ बिजली मुहैया कराउल जाएत। एहि काजक शुरूआत सरकार जल्द करए जा रहल अछि। पहिल चरण मे सरकार मनेर आ फतुहा मे आधारभूत संरचनाक विकास करत आ दोसर चरण मे सोनपुर आ हाजीपुर क संरचना कए ठीक कैल जाएत। ओ कहला जे गंगा पर पुल अगिला साल तक बनि जाएत ओकर बाद सोनपुर आ हाजीपुर दिस लोक आ बिल्डर दूनूक झुकाव देखल जाएत। एहन मे एखन एहि योजनाक शुरूआत मनेर आ फतुहा स करबाक योजना अछि।

एकर अलावा ओ कहला जे राज्य सरकार बिल्डर पर सेहो नकेल कसबा लेल तैयार अछि। बीतल 5 साल मे पटना मे फ्लैट्स आ जमीन क दाम अप्रत्याशित रूप स बढल अछि। एकरा देखैत हमर सबहक कोशिश अछि जे सब कए मकान भेट सकए। एकरा लेल जरूरी अछि जे मकान क दाम सबहक पहुंच मे हुए। हम सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करि रहल छी। संग–संग, हमर सबहक कोशिश इ सेहो अछि जे एहि इलाका मे फ्लैट्स या जमीन क दाम बेसी नहि बढ़ए। हालांकि, बिल्डर सबहक कहब अछि जे सरकार क एहि हस्तक्षेप स हुनकर कारोबार पर असर होएत। एक बिल्डर कहला जे पटना मे हर कोई अपन मकान चाहैत अछि। दाम मांग बेसी भेला स बढल अछि। हमर सबहक एहि मे कोनो योगदान नहि अछि। राज्य सरकार कए नव इलाका मे सुविधा विकसित करबा पर ध्यान देबाक चाही, तखने पटना मे रियल एस्टेट क दाम कम या स्थिर भ सकैत अछि।

दरअसल, बीतल पांच साल मे पटना मे रियल एस्टेट क दाम तेजी स बढल अछि। विश्लेषक क मुताबिक 2005 क मुकाबले आइ पटना मे एकटा फ्लैट क दाम मे कम स कम 200–300 फीसदी क इजाफा भ चुकल अछि। पटना मे रियल एस्टेट क दाम आइ दिल्ली–एनसीआर मे रियल एस्टेट क दामक बराबर भ चुकल अछि।

बेगूसराय, बक्सर, हाजीपुर आ मुंगेर मे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट

पटना। गंगा एक्शन प्लान एक आ दू क विफलता क बाद केंद्र सरकार 2020 तक गंगा कए प्रदूषण मुक्त करबा लेल नेशनल गंगा रिवर बेसिन आथारिटी क गठन केलक अछि। गंगा तट पर बसल बिहार क बेगूसराय, बक्सर, हाजीपुर आ मुंगेर मे सीवरेज आ ठोस कचरा क ट्रीटमेंट प्लांट लेल पहिल किस्त क राशि आवंटित करि देल गेल अछि। बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम मोकामा, कहलगांव आ पटना मे डीपीआर बनेबाक काज शुरू करि देलक अछि। उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी कहला जे राज्य सरकार 21टा शहर क लेल इ प्रस्ताव केंद्र कए पठेने छल। एहि योजना क तहत बेगूसराय क लेल 65.39 करोड़, बक्सर क लेल 74.94 करोड़, हाजीपुर क लेल 113.62 करोड़ आ मुंगेर क लेल 187.89 करोड़ क राशि स्वीकृत अछि। केंद्र से खर्च का 65 प्रतिशत अनुदान बढ़ाकर 90 फीसदी करने की मांग की जायेगी। उपमुख्यमंत्री कहला जे सरकार दैनिक कचरा क केवल जमीन भरबा मे इस्तेमाल नहि करत। पटना, भागलपुर, गया आ मुजफ्फरपुर मे कचरा कए छांट कए ग्रीन कोल आ कंपोस्ट खाद बनेबाक दिशा मे काज भ रहल अछि। दरभंगा, छपरा, मुंगेर मे सेहो एकरा निजी क्षेत्र कए सौंपबाक तैयारी अछि। भविष्य मे कचरा स बिजली पैदा करबाक योजना पर सेहो काज कैल जा रहल अछि।

पूर्णियाक फैसला, देश लेल मिसाल

पूर्णिया। पूर्णिया क डगरूआ थाना क्षेत्र क लोक साम्प्रदायिक सौहार्द क जे मिसाल कायम केलथि अछि ओ शायद एहि स पहिने आर कतहू देखबा मे नहि भेटल अछि। एहि ठाम दूनू सम्प्रदाय क लोक जन अदालत लगा एकटा विवादित जमीन कए पलक झपकैत ओ फैसला करि देलथि जेकरा पुलिस आ अदालत कई साल स नहि सुलझा सकल छल। इ जनअदालत न माओवादीक छल आ नहि कोनो राजनीतिक दल या सामाजिक संगठनक। एहि जन अदालत मे हिन्दू–मुसलमान क हित क गप सेहो नहि भेल, बल्कि इंसानियत क पैगाम गूंजल। दूनू सम्प्रदाय क लोक इ फैसला केलथि जे एहि ठाम नहि त पूजा होएत आ नहि पहलाम, बल्कि एहि जमीन पर अस्पताल बना मानवता क सेवा कैल जाएत। साम्प्रदायिक सौहार्द क एहि मिसाल कायम करैवाला एहि फैसला क बाद तत्काल ओहि जमीन पर बनाउल गेल मंदिर सेहो हटा लेल गेल। दू सम्प्रदाय क बीच विवाद क कारण रहल इ जमीन पूर्णिया जिला क डगरूआ प्रखंड अन्तर्गत कोहिला पंचायत अन्तर्गत मझुआ मौजा मे अछि। एहि ठाम मुहर्रम मे पहलाम क आयोजन कैल जाइत छल, संग–संग भुईयां जाति क लोक कामा देवी क मंदिर बना प्रतिमा स्थापित करि पूजा सेहो करैत छलाह। दूनू सम्प्रदाय क लोक एहि जमीन पर अपन–अपन दावा करैत रहल छल। पुलिस आ प्रशासन क लेल इ मामला सिरदर्द बनि चुकल छल। बायसी क डीएसपी शंकर झा कहला जे दूनू सम्प्रदाय क लोक सराहनीय समझदारी देखेलथि अछि। डगरूआ थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार जन अदालत बजेबाक पहल केने दलथि। डगरूआ क लोक मजहबी दीवार कए ध्वस्त करि इ साबित करि देलथि जे इंसानियत स पैघ कोनो धर्म नहि।

कहिया पैघ बनत क्रिकेट

बीसीसीआई बिहार क्रिकेट कए मान्यता नहि द रहल अछि। झारखंड बनलाक बाद स बिहार मे क्रिकेट मरनासन्न अवस्था मे चल गेल अछि। लालू प्रसाद आ कीर्ति आजादक बीचक लडाई राज्यक खिलाडी कए भविष्य चौपट कए देने अछि, एहन मे अंडर 19 प्रतियोगिता मे बिहार कए एकटा मौका जरूर भेटल अछि अपन प्रतिभा देखेबा लेल, मुदा सवाल अछि कहिया पैघ होएत क्रिकेट।

सोमदेव कए प्रबोध साहित्य सम्मान

दरभंगा । मैथिली क स्थापित साहित्यकार आचार्य सोमदेव क चयन प्रबोध साहित्य सम्मान 2011 क लेल कैल गेल अछि। मैथिली क प्रमुख स्तंभ रहल कोलकाता विश्वविद्यालय क पूर्व प्राध्यापक प्रो. प्रबोध नारायण सिंह क स्मृति मे स्वस्ति फाउंडेशन क दिस स देल जाइवाला एहि पुरस्कार क तहत लेखक कए एक लाख टका नकद आ प्रतीक चिह्न प्रदान कैल जाइज अछि। फाउंडेशन क अध्यक्ष प्रो. उदयनारायण सिंह नचिकेता छथि। कहल जा रहल अछि जे निर्णायक मंडल सर्वसम्मति स इ फैसला केलक अछि। चयन प्रक्रिया ईमेल पर आधारित छल आओर निर्णायक सब अपन विचार एहि माध्यम स देलथि। आचार्य सोमदेव कए इ पुरस्कार 19 फरवरी कए पटना क कालिद. ास रंगालय मे समारोह आयोजित करि प्रदान कैल जाएत। उल्लेखनीय अछि जे स्थानीय लहेरियासराय जीएन गंज निवासी आ महारानी कल्याणी कॉलेज क हिन्दी विभाग स सेवानिवृत प्राध्यापक आचार्य सोमदेव क जन्म 5 मार्च, 1934 कए भेल अछि।

विक्रमशिला देख नोरा गेल आंखि

भागलपुर । ऐतिहासिक विक्रमशिला विश्वविद्यालय क गरिमा वापस आनल जाएत। इ बयान कोनो नेताक नहि बल्कि विदेश स आयल बौद्ध गुरुक समूहक छी जे मंगलदिन एहि ऐतिहासिक जगह कए देखबा लेल पहुंचल छलाह। विश्वविद्यालयक अवशेष देखि समूहक कईटा सदस्यक आंखि नोरा गेल। सब एक मत स कहला जे एहि ऐतिहासिक धरोहर क दिन बहुरत। एकर शुरूआत आइ स भ गेल। कई सालक बाद विक्रमशिला स्तूप पर विशेष पूजा क आयोजन कैल गेल। बौद्ध गुरु क एहि समूह क महागुरु क देख रेख मे पूजा संपन्न भेल। एहि पूजा मे स्वीट्जरलैंड क मि. गेलेक सहित मनाली आ दिल्ली क बौद्ध गुरु शामिल छलाह, संगहि पैघ संख्या मे स्थानीय लोक सेहो शामिल भेला। पूजाक बाद गेलेक कहला जे विक्रमशिला क विकास मे हर संभव सहयोग देबा लेल ओ तैयार छथि आ एहि संदर्भ मे ओ सांसद शाहनवाज हुसैन आ जिला पदाधिकारी राहुल सिंह स भेंट सेहो क चुकल छथि। ओ कहला जे सरकार अगर अनुमति दिए त प्राचीन विश्वविद्यालय क गरिमा कए फेर स बहाल करि एकरा पर्यटन स्थल क रूप मे विकसित करि कए एहि ठाम स्कूल, बौद्ध मंदिर आ अस्पताल खोलबाक इच्छा अछि। ओ कहला जे हुनकर इच्छा अछि जे एकरा एहि तरह विकसित कैल जाए जे एहि ठाम दुनिया क पर्यटक आबि कए एकरा देख सकए। ओ कहला जे सांसद एकरा लेल तैयार छथि आ ओ अपन दिस स हर संभव मदद क भरोस देलथि अछि।

बुद्ध मंदिर लेल 10 एकड़ जमीन अर्जित

कहलगांव । विक्रमशिला मे भगवान बुद्ध आ अतीश दीपांकर क मंदिर निर्माण आ बौद्ध शिक्षण केंद्र खेलबा लेल मलकपुर आ अंतीचक मौजा मे सुखदेव मंडल क नौ एकड़ सात डिसमल जमीन अमरजीत सिंह आ योनजिंन रिनपोन्ची क नाम खरीद कैल गेल अछि। एकर अलावा लगभग दू बीघा जमीन रास्ता क लेल अर्जित कैल गेल अछि। मंगलदिन एहि अर्जित जमीन पर बौद्ध भिक्षु भूमि पूजन केलथि। एहि अवसर पर तिब्बत क गुरु गोंसर रिन्पोंछ कहला जे विक्रमशिला आबि कए बहुत नीक लागल। पहिने विक्रमशिला क नाम अतीश दीपांकर द्वारा रचित ग्रन्थ मे पढ़ने रही मुदा स्थल क पता नहि चलि पाबि रहल छल। पुरातत्व आ सर्वेक्षण विभाग क रिपोर्ट मे एहि ठामक बारे मे जानकारी भेटल। आब त एहि ठाम स घर सन लगाव भ गेल अछि। अतीश दीपांकर श्री ज्ञान विक्रमशिला विश्वविद्यालय क गुरु आचार्य छलाह। ओ कहला जे एक हजार साल पहिने तिब्बत मे बौद्ध धर्म आ अन्य ज्ञान क छटा बिखेरल छल। आइ हुनकर किताब विभिन्न भाषा मे रूपांतरित भ कए कईटा देश मे पढ़ाउल जा रहल अछि। तिब्बत मे अतीश दीपांकर कए शिक्षा रूपी भगवान मानल जाइत अछि। हुनकर पूजा कैल जाइत अछि। ओ कहला जे ताहि लेल एहि ठाम सेहो अर्जित जमीन पर भगवान बुद्ध आ अतीश दीपांकर क प्रतिमा स्थापित करि भव्य मंदिर बनाउल जा रहल अछि। संगहि बौद्ध शिक्षा केंद्र खोलल जा रहल अछि। अतीश दीपांकर सोसायटी क बैनर तर इंटरनेशनल रफ्तेन फाउंडेशन क 66 सदस्यीय बौद्ध भिक्षु क दल मे बुजुर्ग, युवा आ महिला सेहो छथि। एहि दल मे तिब्बत, इंडोनेशिया, मंगोलिया, स्वीटजरलैंड, चेकोस्लोवाकिया आदि देशक भिक्षु छथि। स्थानीय लोक घोघा आ विक्रमशिला मे हिनकर जोरदार स्वागत केलक।

नौ मास में बख्तियारपुर–नवादा फोर लेन

समदिया

पटना। पथ निर्माण मंत्री नंदकिशोर यादव कहला जे 2011 तक बख्तियारपुर–नवादा–बरही सड़क फोर लेन बनि जाएत। ओ अफसोस व्यक्त केलथि जे भारत सरकार क उपेक्षापूर्ण रवैया क कारण गंगा पुल आ डुमरी पुल क खराबी दूर नहि भ पाबि रहल अछि। मंत्री क अनुसार हाजीपुर–जन्दाहा सड़क कए समस्तीपुर स जोडबा लेल एनएच तक क लेल दोहरीकरण क लेल भारत सरकार स आग्रह कैल गेल अछि। एहि रोड कए बनि जेबा स महज ढाई घंटा मे दरभंगा पहुंचल जा सकैत अछि।

पथ निर्माण मंत्री कहला जे इरकान द्वारा पटना क बहादुरपुर आ अगमकुआं मे निर्मित सड़क उपरिपुल (आरओबी) मे खामी भेटल अछि। ओकरा दूर करबा लेल निर्देश देल गेल अछि। बहादुरपुर उपरिपुल क पूर्वी छोर मे गढ्डा छै, जखकि अगमकुआं मे एप्रोच रोड ठीक स नहि जुड़ि सकल अछि।

यादव कहला जे गंगा आ डुमरी पुल क खामी कए दूर करबा लेल केंद्र स आग्रह कैल गेल अछि। गंगा पुल क मरम्मत पर 169 करोड़ आ डुमरी पुल क निर्माण पर 1.50 करोड़ खर्च होएत। केंद्र प्रदेश कए एनएच क निर्माण मे कैल गेल खर्च क प्रतिपूर्ति तक नहि करि रहल अछि।

कि बिहार मे छह लेनक सडक सेहो बनत, एहि सवाल क उत्तर दैत पथ निर्माण मंत्री कहला जे एखन बहुत किछु हमरा सब कए बुझले नहि अछि, देखू ने हम अपने आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) क मतलब नहि बुझैत छलहूं। हमरा जनैत ओ'–रेलवे ओवरब्रिज होइत अछि, मुदा एक दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुझौलथि जे एकर मतलब रोड ओवरब्रिज अर्थात सड़क ऊपरि पुल होइत अदि। एहन मे हमरा सब लेल एहन बहुत किछु बुझब आ करब बाकी अछि।

पटना क बहादुरपुर आ अगमकुआं मे निर्मित सड़क उपरिपुल (आरओबी) मे खामी भेटल अछि। ओकरा दूर करबा लेल निर्देश देल गेल अछि।

लोक लेखा समितिक अध्यक्ष बनलाह ललित

दरभंगा। दरभंगा ग्रामीण क्षेत्र क विधायक ललित कुमार यादव कए विधान सभा मे लोक लेखा समिति क अध्यक्ष मनोनीत कैल गेल अछि। विधानसभाक एहि सबस महत्वपूर्ण समितिक अध्यक्ष बनला पर जतए क्षेत्रक लोक मे उत्साह अछि, ओतहि समर्थक सरकार क एहि फैसला क सराहना करैत छथि। क्षेत्र क लोक कए विधायक भरोसा देलाह अछि जे लोक लेखा समिति एहि बेर सरकार क टका–टका क हिसाब राखत आओर अनियमितता बरतनिहार पर कार्रवाई सेहो करत।

राज्य मे निवेश अपार संभावना : एसोचेम

पटना। एसोसियेटेड चौम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचेम) राज्य क कारपोरेट सेक्टर मे पांच लाख करोड़ क निवेश क लक्ष्य निर्धारित केलक अछि। संगठन क अध्यक्ष दिलीप मोदी कहला अछि जे इ काज पांच साल मे होएत। ओ कहला जे एकरा लेल अप्रैल मे निवेश मेला आयोजित होएत। इ सिलसिला 2015 तक प्रत्येक दू साल पर चलत। कृषि आ शिक्षा क क्षेत्र मे बिहार मे निवेश क असीम संभावना अछि। शिक्षा क्षेत्र मे कारपोरेट सेक्टर पटना सहित छह नगर निगम क 50–50टा स्कूल कए गोद लेबा लेल तैयार अछि। कलस्टर योजना मे 14टा जिला मे 400 करोड़ निवेश होएत। मोदी क दावा अछि जे एसोचेम क माध्यम स एहि ठाम टका लगोनिहार कए मात्र एकरारनामा पर हस्ताक्षर तक सीमित नहि राखल जाएत, बल्कि एकरा मूर्त रूप देल जाएत। ओ कहला जे यद्यपि ओ बिहार कए एखन बुझबा लेल आयल छथि। ओ कहला जे बिहार मे सबस पहिने एजुकेशन सिटी स्थापित कैल जेबाक चाही।

नीतीश क विश्वास स राज्यकर्मी मे जगल आस

समदिया

पटना । मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यकर्मी कए भरोस देलथि अछि जे ओ हुनकर कठिनाई कए दूर करबाक हरसंभव प्रयास करताह। ओ कहला जे काज केनिहार कए सम्मान देबा लेल सरकार एकटा योजना बना रहल अछि आ हुनका उम्मीद अछि जे राज्यकर्मी क मेहनत, प्रतिभा आ ऊर्जा क लाभ प्रदेश कए भेटत। ओ कहला जे सरकार आ कर्मचारीक बीच संवादहीनता खत्म कैल जाएत, एकरा लेल जिला स लकए सचिवालय स्तर तक संस्थागत व्यवस्था विक. सित कैल जाएत।

मुख्यमंत्री अपन आवास पर विभिन्न कर्मचारी आ पदाधिकारी संगठन क अलग–अलग दस प्रतिनिधिमंडल स भेंट करबा दौरान इ गप कहलाह। एहि स कर्मचारी संगठन क प्रतिनिधि कए नव साल मे सनेसक उम्मीद जगल अछि। संभवतः इ पहिल मौका छल जखन मुख्यमंत्री कर्मचारी संगठन क संग हुनकर समस्या पर बिंदुवार गप केलथि।

मुख्यमंत्री बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ (गोप गुट), बिहार राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ, बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ, बिहार पुलिस मेन्स एसोसिएशन, बिहार राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी महासंघ, बिहार सचिवालय सेवा संघ, बिहार राज्य सरकारी मोटरयान चालक संघ, बिहार पुलिस एसोसिएशन आ बिहार राज्य राजपत्रित पदाधिकारी संघ क पदा. धिकारी स अलग–अलग गप केलथि। संघक सदस्यक कठिनाइ, अपेक्षा आ सुझाव कए करीब छह घंटे तक संजीदगी स सुनलाक बाद नीतीश कुमार राज्य सरकार क वरिष्ठ अधिकारी कए एकर समीक्षा करि आवश्यक कार्रवाई करबाक तत्काल निर्देश देलथि। सब संगठन क प्रतिनिधि मुख्यमंत्री द्वारा कैल गेल एहि पहल क लेल हुनकर आभार वयक्त केलथि। संगहि राज्य सरकार कए सबस्तर पर भरपूर सहयोग करबाक भरोस देलथि। कर्मचारी संगठन क पदाधिकारीक कहब अछि जे इ एकटा नीक शुरुआत अछि, एहि तरह क बैठक कम स कम छह मास पर एक बेर हेबाक चाही।

कामयाब नहि, काबिल बनू : नीतिश

दरभंगा। सूबा क ग्रामीण विकास मंत्री नीतिश मिश्र क कहब अछि जे केवल कामयाब भेला स सम्रग विकास संभव नहि अछि ताहि लेल काबिल बनब जरूरी अछि। ओ पब्लिक स्कूल, लालबाग क स्वर्ण जयंती समारोह मे बतौर मुख्य अतिथि बाजि रहल छलाह। ओ कहला जे एहि ठामक बच्चा कए काबिल बनेबाक जरूरत अछि, कामयाब त ओ अपने आप भ जेताह। मिश्र कहला जे किछु साल पहिने राज्यक वातावरण प्रदूषित छल। बिहारी क पहचान क अलग पैमाना छल, मुदा आब समय बदलि गेल अछि। आब राज्य मे माहौल बदलल अछि। मेधा पलायन पर ब्रेक लगबाक चाही। ओ स्कूल क संस्थापक सचिव प्रो एलके मिश्रा क शैक्षिक दृष्टि क प्रशंसा करैत कहला जे जखन इ स्कूल क स्थापना भेल त हमर जन्म नहि भेल छल। ओहि समय मे एकटा निजी स्कूल खोलबाक विचार दरभंगा सन शहर मे हुनकर मस्तिष्क मे एनाई हुनकर दूर दृष्टि क सबूत अछि। सीबीएसई क पटना क्षेत्रीय अधिकारी एवीवी प्रसाद राव बतौर विशिष्ट अतिथि कहला जे समग्र सतत मूल्यांकन विधि स छात्र क मन स परीक्षा क बोझ हल्लूक करि प्राथमिक शिक्षा क क्षेत्र मे नव क्रांति आनल गेल अछि। एहि स पूर्व प्रो. इंदिरा झा नीतिश मिश्र स प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था कए सुदृढ़ करबाक अपील केलथि। अपन अध्यक्षीय भाषण मे प्रो. ब्रजमोहन मिश्र एलके मिश्र क क्षमता क सराहना करैत कहला जे शताब्दी वर्ष मे सेहो बेला पब्लिक स्कूल एहिना चमकैत दमकैत रहत। कार्यक्रम क उदघाटन डीआईजी बलदेव प्रसाद केलथि, जखन कि डीआइजीक कनिया स्कूलक बेवसाइटक लोकार्पण केलथि। कार्यक्रमक संचालन प्रो. पुतुल सिंह आओर धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य आरसी झा देलथि। एहि मौका पर स्कूल क छात्र–छात्रा सब सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करि कार्यक्रम कए यादगार बना देलक।

दरभंगा मे साइकिल रेस 31 कए, तैयारी अंतिम चरण मे

दरभंगा। जिला स्थापना दिवस समारोह क तहत 31 दिसंबर कए आयोजित होइवाला साइकिल रेस प्रतियोगिता क तैयारी पूरा भ चुकल अछि। प्रतियोगिता ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय क खेल मैदान स शुरू होएत। पहिने प्रतिभागी कए एनएच 57 होइत सिमरी तक जेबाक छल आ फेर वापस खेल मैदान लौटबाक छल मुदा आब बेला मोड़ होइत काकरघाटी खरथुआ तक जेबाक निर्णय लेल गेल अछि। इ जानकारी आयोजन समिति क सदस्य नवीन सिन्हा देलथि अछि। दोसर दिस एहि आयोजन कए सफल बनेबा लेल जिला. धिकारी संतोष कुमार मल्ल स्वयं कमान थमने छथि। ओ मार्ग क निरीक्षण केलाक बाद आवश्यक निर्देश देलथि अछि। एहि बीच, प्रतियोगिता मे भाग लेनिहारक संख्या बढल जा रहल अछि। आवेदन देबा लेल नेहरू स्टेडियम आ मिर्जापुर स्थित खेल घर मे आवेदक क भारी भीड़ क कारण कई टा लडकी आवेदन जमा नहि कए सकलीह।

अधिकारी सब स मांगल गेल अर्जित सम्पत्ति क ब्योरा

पटना। राज्य सरकार भारतीय प्रशासनिक सेवा क अधिकारी स हुनकर सम्पत्ति क हिसाब मंगलक अछि। पूछलक अछि जे बीतल वित्तीय वर्ष मे अहां आ अहांक परिवार क सदस्य केतबा संपत्ति अर्जित केलथि अछि? सरकार भ्रष्टाचार क खिलाफ अभियान चला रखने अछि। विशेष अदालत कानून लागू भ चुकल अछि। ज्ञात स्रोत स बेसी सम्पत्ति क मामला मे त्वरित सुनवाई भ सके ताहि लेल आ अतिरिक्त सम्पत्ति सरकार जब्त करि सकए तेकरा लेल विशेष अदालत गठित भ चुकल अछि। तत्काल भारतीय प्रशासनिक सेवा क दू–तीन टा अफसर एहि दायरा मे आबि चुकल छथि। सरकारी सेवक आचार नियमावली मे सालाना धनार्जन क जानक. ारी सरकार कए देबाक प्रावधान अछि। बहरहाल, बिहार मे पदस्थापित सबटा आइएएस अधिकारी कए 28 दिसम्बर कए एहि संबंध मे पत्र लिखल गेल अछि आ अगिला मास ब्योरा देबा लेल कहल गेल अछि।

बहुरत खेतीक दिन, खेत पहुंचल नौजवान

समदिया

पटना । नेतरहाट स स्कूलिंग आ एमबीए करनिहार शशांक कुमार आ मनीष कुमार एहि जमाना क बिहारी नौजवान छथि। एकटा सुरक्षित रास्ता अपनाकए इ दूनू गोटे सेहो कतहू नौकरी करि सकैत छलाह, मुदा तखन ओ अपन प्रदेश क लेल नव दौर क किसानी क आइकन नहि गढ़ि सकैत छलाह। शशांक आओर मनीष किसान क बेटा अछि। आकर्षक आफर ठुकरेबाक बाद ओ अपन मेधा क इस्तेमाल अपन खेत स सोना (समृद्धि) पैदा करबा मे करि रहल दथि। युवा टेक्नोक्रेट क खेती कए समर्पित भेला स नवतुरिया मे खेतीक प्रति रूझान बढि रहल अछि आ इ दूनू मिसाल बनि रहल छथि। किसान छोट–छोट समूह मे संगठित भ कृषि क उच्च तकनीक, उन्नत बीज, बेहतर खाद आ कीटनाशी क सही इस्तेमाल करि रहल छथि। बीज स लकए बाजार तक क व्यवस्था आब हिनकर निर्देशन मे स्वयं किसान करैत छथि। एहि स पैदावार मे दोगुणा वृद्धि भ रहल अछि। कृषि लागत मे कमी आबि रहल अछि। केवल आठ मास मे तकनीक संपन्न दूटा युवा किसान इ सब करि देखेलथि अछि। दूनू गोटे फार्म एण्ड फार्मर नामक संस्था बनेलथि अछि। एकर अधीन 10 स 15 किसान क छोट–छोट समूह बनाउल जा रहल अछि। संस्था एक तरफ देशभर मे पसरल कृषि तकनीकी संस्थान स नेटवर्किंग करि रहल अछि, त दोसर दिस किसान कए संगठित करि सामूहिक खेती क पाठ पढ़ा रहल अछि। संस्था पहिल समूह मई 2010 मे वैशाली जिला क चकदरिया गाम मे बनेने छल। इ सिलसिला आब भोजपुर, पूर्णिया, सारण तक पहुंच चुकल अछि। एहि समूह लेल किसान क चयन काफी जांच–परख क बाद कैल जाइत अछि।

अंक- 60, साल-3, इसमाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com